

H.	0	1	0	3	1..	0	0..	3	1	0	1	3..	1	3	0..	3	0	1	0	3	1..	0	3	0..	3	1	0	1	3..	1	0	3.	1	0	0.
----	---	---	---	---	-----	---	-----	---	---	---	---	-----	---	---	-----	---	---	---	---	---	-----	---	---	-----	---	---	---	---	-----	---	---	----	---	---	----

0..	1..	3	0..	0	2	3..	2	0..	2	0	4..	1..	3	0	1..	2	3	5..	3	2..	5	5	3..	0..	1..	3	0..	0	2	3..	2	0..	0	3
-----	-----	---	-----	---	---	-----	---	-----	---	---	-----	-----	---	---	-----	---	---	-----	---	-----	---	---	-----	-----	-----	---	-----	---	---	-----	---	-----	---	---

A despertar, si es que duermes, Carolina, tu corazón, viene hoy la estudiantina, nuestra canción, para ti bajo la luna,

1..	0..	3..	1	1	0..	0	4	4.	0	2	0	4	0.	0.	2	0..	2	0	2	0	2..	0	4..	2	0	4	4	2	0..	4	4	4	4.	2
-----	-----	-----	---	---	-----	---	---	----	---	---	---	---	----	----	---	-----	---	---	---	---	-----	---	-----	---	---	---	---	---	-----	---	---	---	----	---

dice el amor, que entonamos al pie del balcón.

Las flores tienen color, las aves tienen sus trinos, y las estrellas

0	5	4..	2	0	4..	2	0..	3	2..	2	0..	2	0	2	0	2..	4..	2	0	4	2	2	0..	0	0	0	0	3	1	1	0..	0	4	4	0	2
---	---	-----	---	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	---	---	---	-----	-----	---	---	---	---	---	-----	---	---	---	---	---	---	---	-----	---	---	---	---	---

se repite de H a H y a final

del cielo, su lejano resplandor, la luna con su brillar, te da su luz Carolina, y tu belleza ilumina, con un resplandor,

0	0	0..	H.	0.	0.
			final		
sin igual.					

